श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 52, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार, 27 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

मध्य प्रदेश: उज्जैन में दूध के टैंकर से टकराई मजदूरों से भरी वैन, 5 की मौत

7 लोग घायल हो गए, घायलों का पास के ही एक अस्पताल में चल रहा इलाज

उज्जैन, एएनआइ। मध्य प्रदेश के उज्जैन में सड़क हादसे में 5 मजदूरों की मौत हो गई जबकि 7 लोग घायल हो गए हैं। हादसा, शनिवार अलसुबह सुबह 3.30 बजे देवास रोड पर हुआ। नरवर पुलिस ने बताया कि कटनी से 12 मजदूर तूफान गाड़ी से नीमच जा रहे थे। इसी दौरान नरवर के समीप गाड़ी दूध टैंकर से टकरा गई। इससे चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मौके पर घायल हुए सभी लोगों को पास ही एक अस्पताल में भर्ती

कराया गया है।

उज्जैन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुलिस रूपेश द्विवेदी ने बताया कि घटना में पांच लोगों की जान चली गई है जबकि 7 लोग घायल हो गए हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि सभी घायलों को अस्पातल में भर्ती करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि मजदूर कटनी से आए थे। हादसे के वक्त वे नीमच जा रहे थे। एएसपी ने बताया कि केस रजिस्टर कर लिया गया है और जांच चल रही है। बता दें मध्य प्रदेश में यह पहला सड़क हादसा नहीं है। इससे पहले भी राज्य से सड़क हादसों की खबरें आती रही है।

इससे पहले 21 सितंबर को उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले की सीमा से सटे मध्य प्रदेश के सतना जिले के नयागांव थाना क्षेत्र के अनुसुइया आश्रम के पास ट्रैक्टर ट्राली पलटने से पांच श्रद्धालुओं की मौत और 12 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई थी। सभी श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के सराय मनी के रहने वाले हैं। चित्रकूट के सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताते हुए पीड़ितों की तत्काल मदद के आदेश दिए थे। सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा है कि घायलों को बेहतर इलाज के तत्काल प्रबंध किए जाएं।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री के 88वें जन्मदिवस पर दी बधाई

नई दिल्ली, एएनआइ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का आज 88वां जन्मदिन है। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी समेत देश के कई दिग्गज हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी है। पीएम मोदी ने बधाई देते हुए उनके दीघार्यु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है।

इसके साथ ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी डॉ. मनमोहन सिंह को जन्मदिन की बधाई दी। बधाई देते हुए उन्होंने लिखा, 'पूर्व प्रधानमंत्री और अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को उनके जन्मदिन की बधाई। बेहतर वर्ष और अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं।'

पीएम मोदी के अलावा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी मनमोहन सिंह को ब्रर्थडे की बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री के तौर पर अनुपस्थिति महसूस होती है। उनकी ईमानदारी, शालीनता और समर्पण सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

उधर कांग्रेस पार्टी ने अपने भी अपने आधिकारिक ट्विटर से पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को जन्मदिन की बधाई दी है। ट्वीट करते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो डॉ. मनमोहन सिंह।' पार्टी की तरफ से कहा गया है कि समर्पित नेता का पहला लक्ष्य समाज को जल्द से जल्द विपत्तियों से सुरक्षित करना और बुराइयों का उन्मूलन करना है।

इसके साथ ही मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए उनके सदैव स्वस्थ की कामना की है। इसके अलावा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी मनमोहन सिंह को बधाई दी है। उन्होंने बधाई देते हुए उनके लंबे जीवन और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की है।

सीएसआइआर ने वेंटीलेटर से लेकर पीपीई किट्स तैयार करने में मदद की : हर्षवर्धन

नई दिल्ली, प्रेट्र। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने शनिवार को कहा कि विज्ञानी समुदाय ने देश के सामने पैदा होने वाली हर चुनौती का सामना किया और उसे एक अवसर में बदल दिया। केंद्रीय मंत्री वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) के 79वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान सीएसआइआर ने वेंटीलेटर और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट्स बनाने से लेकर जीनोम अनुक्रमण में अहम योगदान दिया। परिषद ने दूसरी दवाइयों को कोरोना के इलाज में इस्तेमाल करने लायक बनाने की पहल भी की। हर्षवर्धन ने भारत को आत्मनिर्भर

बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के तौर तरीकों का आकलन करने के लिए सीएसआइआर को युवा विज्ञानियों के लिए आत्ममंथन सत्र आयोजित करने की सलाह भी दी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'जब कभी भी देश के सामने किसी भी रूप में कोई चुनौती पैदा हुई है, हम हमेशा उसे एक अवसर में बदलने में सक्षम रहे हैं और उन्होंने (विज्ञानियों) अंततः समाज के लिए अच्छा करने और उसकी कठिनाइयों को विभिन्न तरीकों से दूर करने में मदद की है।'

हर्षवर्धन ने कहा कि जब भी सीएसआइआर को कोई जिम्मेदारी दी जाती है, वह बहुत गतिशील तरीके से आगे बढ़ती है। उन्होंने इसके लिए प्रदूषण की समस्या को दूर करने के लिए दीपावली पर विकल्प के रूप में ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल का प्रस्ताव देने का उदाहरण भी दिया।

हर्षवर्धन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भी हैं। कोरोना महामारी के बारे में उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जब चीन में इस वायरस के फैलने की जानकारी दी उसके एक या दो दिन बाद ही आठ जनवरी से देश में उसके खिलाफ लड़ाई शुरू हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ ही विज्ञानी समुदाय भी अपनी तरह से इस मुश्किल हालात को बदलने का प्रयास कर रहा है।

यौन अपराध मामलों में ट्रांसजेंडरों के लिए समान कानून की मांग

नई दिल्ली, पीटीआइ। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल करके ट्रांसजेंडरों के लिए कानून के तहत समान संरक्षण की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि ट्रांसजेंडरों को यौन अपराधों से बचाने के लिए कानून में सजा का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। यह याचिका अधिवक्ता रीपक कंसल ने निजी हैसियत से दाखिल की है। इसमें कानून एवं न्याय मंत्रालय और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में यौन अपराधों पर आइपीसी (भारतीय दंड संहिता) के विभिन्न प्रावधानों, कानून में हालिया संशोधनों और अन्य कानूनों का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया है कि उनमें से कोई भी ट्रांसजेंडरों के बारे में बात नहीं करता। इस अदालत द्वारा ट्रांसजेंडरों को थर्ड जेंडर घोषित किए जाने के बावजूद आइपीसी में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो ट्रांसजेंडरों को

महिला, पुरुष या अन्य ट्रांसजेंडर द्वारा किए गए यौन अपराध से बचाता हो।

याचिका में आइपीसी की धारा-354ए के कुछ खंडों को चुनौती दी गई है जिनमें यौन उत्पीड़न के पीड़ितों में ट्रांसजेंडरों को शामिल नहीं किया गया है। याचिका में इस संदर्भ में कानूनों में उचित संशोधन करने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका पर अगले कुछ दिनों में सुनवाई होने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 15 महीनों में विभिन्न हाई कोर्टों में गर्भपात की इजाजत मांगने के लिए कुल 243 याचिकाएं दाखिल हुई हैं। इनमें 118 में गर्भधारण की वजह दुष्कर्म था। गर्भपात की इजाजत मांगने वाली याचिकाओं का यह ब्योरा हाल में जारी गैर सरकारी संगठन 'प्रतिज्ञा कैम्पेन फॉर जेंडर इक्वेलिटी एंड सेफ अबॉर्शन' की रिपोर्ट से सामने आया है। रिपोर्ट में एक मई 2019 से लेकर 15 अगस्त 2020 तक के आंकड़े शामिल हैं।

बीते 15 महीने में 14 हाई कोर्टों में ऐसी 243 याचिकाएं दाखिल हुई हैं। इनमें से 117 मामलों में गर्भपात के लिए वजह भ्रूण में विकृतियां बताई गई जबकि 118 में कारण दुष्कर्म था। हाई कोर्टों ने 243 में से 205 मामलों में गर्भपात की इजाजत दे दी थी जबकि 22 में नहीं दी। रिपोर्ट बताती है कि जिन 14 हाई कोर्टों में याचिकाएं दाखिल हुईं, उनमें सबसे ज्यादा 129 याचिकाएं बांबे हाई कोर्ट में दाखिल हुईं। दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश है जहां 36 याचिकाएं दाखिल हुईं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा : चीन के साथ सीमा विवाद के हल के लिए धैर्य की जरूरत

नई दिल्ली, प्रेट्र। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा विवाद पर विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने कहा कि यह मुद्दा अभी जारी है। हमें धैर्य रखने के साथ अपनी सेनाओं और उनकी क्षमताओं पर भरोसा करना होगा। चीन के साथ चल रही बातचीत में हमें अपने कूटनीतिक और सैन्य तंत्र पर भी भरोसा करना होगा।

चीन से सीमा विवाद के बीच एक न्यूज चैनल को दिए साक्षात्कार में विदेश मंत्री ने कहा कि यह मामला अभी जारी है। यह कोई भी रूप ले सकता है। हो सकता है चीन कुछ कर बैठे। हो सकता है हम भी उसका कोई जवाब दें। वास्तव में अभी दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है। मैं मीडिया के दबाव को समझता हूं। कल क्या

हुआ है,यह सब वह जानना चाहता है, लेकिन वास्तविक जीवन इससे थोड़ा अलग है।

यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। यहां जमीनी हालात बहुत जटिल हैं। हमें इस मामले में अपनी सेनाओं और उनकी काबिलियत पर भरोसा करना होगा। वे निश्चित ही हमारे हितों की रक्षा में समर्थ हैं। कुल मिलाकर हमें चीन के साथ बातचीत कर रहे सैन्य और कूटनीतिक चैनल पर पूरा विश्वास करना होगा। हमें जल्दबाजी नहीं दिखानी होगी। हमें धैर्य रखना होगा। साक्षात्कार के दौरान विदेश मंत्री ने हाल ही में जारी अपनी पुस्तक 'द इंडिया वे' के बारे में भी विस्तार से बातचीत की।

उल्लेखनीय है पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर मई के पहले सप्ताह से चीनी सैनिकों के जमावड़े से हालात तनावपूर्ण हैं। 15 जून को गलवन में हुई खूनी झड़प में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत से तनाव कई गुना बढ़ गया है। दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर की कोई दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन अभी तक मामले का समाधान नहीं हो पाया है।

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने दिल्ली हाईकोर्ट से लगाई यह गुहार

मुंबई, एजेंसियां/ब्यूरो। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से संबंधित मादक पदार्थ मामले में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी का सामना कर चुकीं अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने अब दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। रकुलप्रीत सिंह ने अदालत से मांग की है कि वह अंतरिम निर्देश जारी करे जिससे नशीली दवाओं के मामले में मीडिया उनसे जुड़ा कोई कार्यक्रम या लेख, राइट-अप प्रसारित और प्रकाशित नहीं करे।

दरअसल, बॉलीवुड में ड्रग मामले की जांच कर रही एनसीबी को आए दिन नए नए सुराग मिल रहे हैं। इन शिकायतों की छानबीन के लिए उसने कुछ चर्चित फिल्मी हस्तियों को तलब भी किया है। अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह भी मादक पदार्थ मामले की जांच के सिलसिले में बयान दर्ज कराने के शुक्रवार दक्षिण मुंबई में स्थित एनसीबी कार्यालय पहुंची थीं। एनसीबी ने बॉलीवुड मादक पदार्थों के कथित गठजोड़ की जांच के सिलसिले में रकुल को तलब किया था।

आधिकारिक सूत्रों की मानें तो अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती से पूछताछ के दौरान रकुल का नाम सामने आया था। एनसीबी पहले ही रिया और एक दर्जन से अधिक लोगों को मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। रकुल के अलावा एनसीबी ने अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को भी बुलाया था। एनसीबी ने शनिवार को बॉलीवुड की तीन प्रमुख अभिनेत्रियों दीपिका पादुकोण, सारा अली खान एवं श्रद्धा कपूर से कई घंटे पूछताछ की।

इस दौरान दीपिका की मैनेजर करिश्मा प्रकाश को उनके सामने बैठाकर भी पूछताछ किए जाने की खबर है। करिश्मा की वाट्सएप चैट में ही दीपिका का नाम सामने आया था। एनसीबी के पांच अधिकारियों ने शनिवार को दीपिका पादुकोण से करीब पांच घंटे पूछताछ की। दीपिका सुबह 9.50 बजे ही कोलाबा स्थित मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के गेस्ट हाउस पहुंच गई थीं। सीबीआइ का विशेष जांच दल (एसआइटी) गेटवे ऑफ इंडिया के निकट गेस्ट हाउस में बॉलीवुड के लोगों से पूछताछ कर रहा था।

दीपिका के करीब एक घंटे बाद उनकी मैनेजर करिश्मा प्रकाश गेस्ट हाउस पहुंची। फिर 12 बजे श्रद्धा कपूर एवं करीब एक बजे सारा अली खान पहुंचीं। सूत्रों के अनुसार तीनों अभिनेत्रियों ने पूछताछ के दौरान यह तो स्वीकार किया कि ड्रग के बारे में उन्होंने अपने मोबाइल से चैट की थी। लेकिन, स्वयं ड्रग का सेवन करने से इन्कार भी किया है। एनसीबी इन अभिनेत्रियों से जानना चाहती है कि यदि वे स्वयं ड्रग नहीं लेतीं, तो चैट में इसे मंगाने की चर्चा किसके लिए कर रही थीं?

सूत्रों का कहना है कि एनसीबी के सामने हाजिर होने से पहले दीपिका पादुकोण एवं सारा अली खान अपने वकीलों से मशविरा कर चुकी थीं। सारा और श्रद्धा का नाम रिया चक्रवर्ती से पूछताछ में सामने आया था। फिर रिया और सुशांत की टैलेंट मैनेजर जया साहा एवं सुशांत की पूर्व मैनेजर श्रुति मोदी से पूछताछ एवं उनकी चैट सामने आने के बाद दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर एवं रकुलप्रीत सिंह तथा फैशन डिजाइनर सिमोन खंबाटा के नाम भी सामने आए।

दीपिका से करीब चार बजे पूछताछ खत्म हो गई जबकि सारा और श्रद्धा से करीब छह बजे तक पूछताछ चली। सूत्र बताते हैं कि एनसीबी इन तीनों को पुनः पूछताछ के लिए बुला सकती है। ड्रग मामले में गिरफ्तार हो चुकी अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को अभी जमानत नहीं मिल सकी है। शुक्रवार को करीब नौ घंटे की पूछताछ के बाद एनसीबी ने धर्मा प्रोडक्शन के कार्यकारी निमार्ता क्षितिज रवि प्रसाद को हिरासत में ले लिया था। शनिवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

रक्षामंत्री राजनाथ ने कहा- लद्दाख सीमा पर चीनी सैनिकों को माकूल जवाब दे रहे हैं भारतीय सैनिक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। लद्दाख सीमा पर चीन के साथ तनातनी के बीच रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया है कि आज की तारीख में भारतीय सेना किसी भी रूप में कमजोर नहीं है। उनके अनुसार सीमा पर संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिक चीनी सैनिकों को बराबर की हैसियत से जवाब दे रहे हैं। राजनाथ सिंह ने दीनदयाल व्याख्यानमाला के तहत 'आत्मनिर्भर भारत का संकल्प' विषय पर बोलते हुए कहा कि देश को रक्षा उपकरणों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है।

लद्दाख में चल रही तनातनी का जिक्र करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सैनिक अपनी सीमा की सुरक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। उन्होंने कहा कि 'यदि भारत की तरफ कोई भी ताकत टेढ़ी निगाह रखेगी, तो

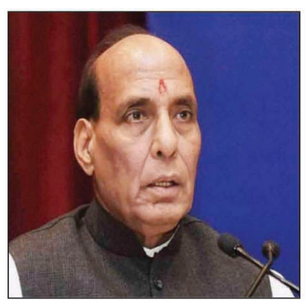

उसका माकूल जवाब देने की ताकत भारतीय सैनिकों में है।'

राजनाथ सिंह के अनुसार मोदी सरकार सीमाओं की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और देश को सामरिक दृष्टि से मजबूत बनाने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1962 में चीन के हाथों पराजय के समय ही दीन दयाल उपाध्याय ने सैनिक दृष्टि से आत्मरक्षा में समर्थ भारत बनाने की बात की थी। उनके अनुसार 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी ने एक साथ पांच परीक्षण कर असल रूप में भारत परमाणु शक्ति संपन्न बनाया। मोदी सरकार इसी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काम कर रही है।

राजनाथ सिंह ने बताया कि सरकार 'मेक इन इंडिया' के तहत भारत को रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश कर रही है। पिछले दिनों 101 रक्षा उपकरणों के विदेश से आयात बंद कर भारत में निर्मित खरीदने का फैसला लिया गया। सिर्फ एक फैसले से देश में एक साल में 52 हजार करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों के उत्पादन का अवसर पैदा हो गया। उन्होंने कहा कि इस देश में भी आधुनिक रक्षा सामग्री बन सकती है इसमें कोई संदेह नहीं है। उनके अनुसार अगले 10 सालों में जल, थल, नभ और अंतरिक्ष में कारगर डिफेंस प्लेटफा?र्म्स बनाने की क्षमता हमारे पास है और इस दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है।

रक्षा क्षेत्र में 74 फीसद विदेशी निवेश की मंजूरी को रक्षा उत्पादों में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2024-25 तक भारत में केवल रक्षा क्षेत्र में 1.75 लाख करोड़ रुपये का कारोबार और पांच बिलियन डॉलर के निर्यात की क्षमता पैदा करना है। यह लक्ष्य बड़ा जरूर लग रहा है लेकिन असंभव नहीं है। उन्होने कहा कि 'अब तक असंभव से लगने वाले काम को संभव बनाने की इच्छाशक्ति का जो अभाव था, वह अब दूर हो गया है।'

कोरोना के चलते मांग बढ़ने पर एनपीपीए ने मेडिकल ऑक्सीजन की अधिकतम कीमत निर्धारित की

नई दिल्ली, प्रेट्र। कोविड-19 महामारी के चलते मांग बढ़ने के कारण मेडिकल ऑक्सीजन की अधिकतम कीमत निर्धारित कर दी गई है। उचित दर पर ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने छह महीने के लिए इसकी अधिकतम कीमत निर्धारित की है।रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह स्थिति इसलिए पैदा हुई क्योंकि ऑक्सीजन की मांग लगभग चार गुनी बढ़ चुकी है। पहले 750 टन प्रतिदिन ऑक्सीजन की खपत थी, जो अब बढ़कर 2,800 टन प्रतिदिन हो गई है।

ऑक्सीजन की उपलब्धता और इसकी कीमत निर्धारित करने का मामला भारत सरकार की अधिकार प्राप्त समिति के अंतर्गत आता है। इसने एनपीपीए से उचित दाम पर तरल मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इसका अधिकतम उत्पादन मूल्य निर्धारित करने के लिए कहा था। इसने ऑक्सीजन सिलेंडरों का भी अधिकतम उत्पादन मूल्य निर्धारित करने का अनुरोध किया था।

अस्पताल की लापरवाही: सामान्य बीमारी से मृत व्यक्ति के स्वजन को सौंपा कोरोना पॉजिटिव मरीज का शव

इंदौर, स्टेट ब्यूरो। कोरोना संक्रमण के बीच अस्पतालों की लापरवाही भी लगातार सामने आ रही है। शहर के निजी अस्पताल ने खंडवा के मरीज की मौत के बाद स्वजन को शव सौंप दिया। स्वजन रोते-बिलखते शव लेकर खंडवा के लिए रवाना हुए। तीन घंटे बाद अस्पताल से फोन पहुंचा कि आप जो शव ले जा रहे हैं, वह महू के एक कोरोना संक्रमित मरीज का है।

तीन घंटे कोरोना संक्रमित मरीज के साथ सफर कर चुके लोग तुरंत एंबुलेंस से उतर आए। अस्पताल की ओर से वापस आकर सही शव ले जाने की बात कही तो स्वजन ने संक्रमित शव के साथ आने से इन्कार कर दिया। इसके बाद अस्पताल ने दूसरी एंबुलेंस से खंडवा के व्यक्ति का शव भेजा। बड़वाह के पास दोनों शव बदले गए।

खंडवा निवासी स्वाति राठौड़ और नितिन राठौड़ ने बताया कि पिता गेंदालाल राठौड़ को 22 सितंबर को ग्रेटर कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया था। उन्हें फेफड़ों में कैंसर था। अस्पताल में आइसीयू खाली नहीं होने पर उन्हें बच्चों के आइसीयू में भर्ती कर दिया गया। 25 सितंबर की शाम अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि उनकी हालत गंभीर है और सांस लेने में भी दिक्कत है। इसलिए उन्हें कोविड संदिग्ध मानते हुए कोविड वार्ड में भर्ती किया जा रहा है। उसी रात करीब एक बजे कोरोना संबंधित टेस्ट किया गया। सुबह 5:30 बजे रिपोर्ट निगेटिव आने का संदेश भी आ चुका था। सुबह अस्पताल से बताया गया कि पिता की मौत हो चुकी है। फिर सुबह लगभग सात बजे हमें पैक करके शव दे दिया था।

सनावद से आगे पहुंचने पर हमें बताया गया कि यह शव पिता का नहीं, किसी कोरोना संक्रमित मरीज का है। मामले की जानकारी तब लगी, जब महू निवासी कोरोना संक्रमित मरीज के स्वजन शव लेने पहुंचे। शव की कद-काठी देखकर स्वजन ने शंका जाहिर की। इस पर जांच की गई तो शव खंडवा निवासी व्यक्ति का निकला। इस गलती की वजह से दो परिवार छह घंटे से अधिक समय तक परेशान होते रहे। कर्मचारियों से हुई गलती एक शव मच्युर्री में व दूसरा आइसीयू में रखा हुआ था।

कर्मचारियों ने बिना पड़ताल किए शव सौंप दिया था। बाद में स्वजन को जानकारी दी गई और शव सुपुर्द कर दिया गया। पॉजिटिव मरीज का शव बैग में पैक कर दिया गया था इसलिए संक्रमण का खतरा नहीं है-डॉ. राधिका बंडी, डायरेक्टर ग्रेटर कैलाश अस्पताल।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज रविवार, 27 सितम्बर, 2020

दो दोस्तों की यमुना नदी में डूबने से मौत

नैनी। कोतवाली क्षेत्र स्थित अरैल घाट पर शनिवार को स्नान करने के दौरान दो दोस्त यमुना नदी में समा गए। जिससे दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिए। वहीं मृतक के परिजनों में कोहराम मचा रहा। जानकारी के मुताबिक धूमनगंज थाना क्षेत्र के कसारी मसारी के समीप आनंद पुरम कॉलोनी निवासी सूरज सिंह (21) पुत्र स्वर्गीय शैलेंद्र सिंह व राजरूपपुर निवासी रजनीश जायसवाल (22) पुत्र शिव बाबू जायसवाल समेत राजरूपपुर निवासी अनुराग सिंह पुत्र जितेंद्र सिंह राज सिंह पुत्र बृज भूषण सिंह चारो युवक जो आपस में चारों दोस्त बताए जाते हैं। शनिवार सुबह कार द्वारा अरैल क्षेत्र घूमने के लिए पहुंचे और कार को घाट के समीप खड़ी कर दिए। चारों युवक स्नान करने के लिए यमुना नदी में चले गए। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो चारों युवक एक दूसरे का हाथ पकड़ कर स्नान करने लगे। इसी दौरान सूरज व रजनीश गहरे गड्ढे में फंस गए और चारों डूबने लगे। हालांकि अनुराग और राज सिंह अपने आप को बचाते हुए बाहर निकल आए। जबकि वह दोनों पानी के तेज बहाव में बह गए। यह देख वहां पर मौजूद स्नानर्थियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों को बुलाया गया। घंटों कड़ी मशक्कत के बाद डूबे हुए सूरज व रजनीश के शवों को गोताखोरों ने पानी से बाहर निकाला। वहीं मौके पर मौजूद मृतक के परिजनों ने जब शवों को देखा तो कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच पड़ताल की कार्रवाई को पूरा करते हुए शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।

शव के पास जुटी भीड़ व मौजूद पुलिस

बिजली कनेक्शन कटने पर गरजे कांशीराम कालोनी के लोग

करछना। बसपा शासनकाल में गरीबों के लिए मुफ्त में आवंटित किये गये कांशीराम गरीब आवास योजना के तहत गरीबों को आवास मुहैया कराया गया था जिसमे गरीब तबके के लोगो को मुफ्त मे आवास दिए गये थे। जिसमे रह रहे लोगों का आवासो के बिजली का कनेक्शन बकाया दिखाकर बिजली विभाग द्वारा की गई कार्यवाही के विरोध मे आवास मे रहने वाले लोग बिजली विभाग द्वारा की गई कार्यवाही पर आक्रोश जताते हुए तहसील करछना मे एसडीएम के समक्ष नारेबाजी करते हुए समस्याओ से सबंधित ज्ञापन सौपा। ज्ञापन मे गरीब काशीराम आवास मे रहने वाले गरीब मजदूर व महिलाओं ने आरोपित किया है कि बसपा शासन काल मे गरीबो को योजना के तहत आवास मुफ्त मे आवंटित किए गये थे तब से लेकर आजतक आवास मे रहने वाले लोगो के घरो मे न तो बिजली पानी का बिल नही भेजा गया निःशुल्क आवास मे रह रहे लोगो ने आवास पानी बिजली मुफ्त मे जानकर इस्तेमाल करते रहे। शुक्रवार को बिजली विभाग के अधिकारियो द्वारा अचानक कांशीराम गरीब आवास योजना मे रहने वाले लोगों के घरों के दो से तीन लाख का बिजली का बिल थमा दिया और पूरे आवास की बिजली काट दी गई जिससे आक्रोशित होकर आवास में रहने वाले गरीबों और बिजली विभाग के लोगो से नोकझोक हुई। ज्ञापन मे आरोपित किया है कि नई व्यवस्था के तहत लोगो को नया मीटर कमरे लगाकर नये सिरे से बिल लिया जाना आवश्यक तथा जर्जर हो चुके खम्भो मे करट उतर रहा है नये खम्भे लगाये जाए साथ ही आवास मे रहने वाले छोटे बच्चे विधवा विकलाग आदि परेशान है।

गंगा में डूबने से युवक की मौत

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के गऊघाट पर शनिवार सुबह गंगा स्नान करते समय गंगा में डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव खोजने के बाद विधिक कार्रवाई की। नवाबगंज के पियरी उर्फ बिजलीपुर गांव निवासी अजय कुमार (20) पुत्र वृजलाल चार भाई में बड़ा था। बताया जा रहा है कि वह बंगलूरू में प्राइवेट काम करता था। वह इन दिनों घर पर ही था। शनिवार की सुबह अपने तीन दोस्तों के साथ गंगा के गऊ घाट पर स्नान करने के लिए गया। जहां स्नान करते हुए वह गहरे पानी में चला गया और डुबने लगा। जबतक उसके साथी उसे बचाने के लिए कुछ कर पाते, वह गहरे पानी में समा गया। उसके साथियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोर लगाकर अथक प्रयास के बाद शव खोज निकाला। उधर घटना की खबर मिलते ही उसकी मां संजना देवी समेत परिवार के लोग बदहवास हालत में पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नेहरू युवा केंद्र, नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत गंगादूतों एवं स्वयंसेवकों को मिला प्रमाण पत्र

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र, नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत आयोजित सघन पौधारोपण अभियान में योगदान सम्बन्धित प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम शुक्रवार को आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी जागृति पांडे,एवं नमामि गंगे जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह द्वारा संपन्न किया गया ।वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रयागराज के बीस ब्लॉकों के विभिन्न गाँव में चलाया गया जो की लगभग तीन महीने चला । इसी के तहत गंगा ग्राम मे पौधारोपण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गंगा दूतों और स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। उक्त प्रमाण पत्र सौरभ मिश्रा , कृष्ण शंकर पांडे, कृष्णकांत, आयुष शुक्ला, मनबीर, सत्यम, अमित , राहुल मिश्रा आदि को मिला । डीपीओ एषा सिंह ने नमामि गंगे परियोजना और गंगा स्वच्छता के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी और सभी से गंगा को साफ सुथरा बनाए रखने का निवेदन किया। गंगा को साफ रखने हेतु युवाओ को शपथ भी दिलवायी गयी।

विद्युत करेंट की चपेट में आने से युवक की मौत

फूलपुर। विद्युत पोल पर तार जोड़ने के लिए चढ़े युवक की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने विधुत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के ढेलहा गांव के बिंद बस्ती निवासी प्रदीप बिंद (25) पुत्र बृजलाल बिंद शुक्रवार देर रात घर की विद्युत लाइट खराब होने के कारण पोल से तार जोड़ने गया। तभी करंट की चपेट में आ जाने से उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि खंसार विद्युत उपकेंद्र के अन्तर्गत आने वाले गांव में पोल नजदीक न होने के कारण ग्रामीणों को दूर लगे पोल से कनेक्शन जोड़ना पड़ता है। घटना से मृतक की पत्नी अर्चना का जहां रो-रोकर बुरा हाल है वहीं मां ननकी देवी पुत्र की मौत पर गमजदा है। वहीं गांव में विद्युत पोल नजदीक न होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

युवक की मौत के बाद रोते बिलखते हुए परिजन

हाईकोर्ट समाचार

यूपी मेडिकल एण्ड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रीयल संघ के चुनाव को लेकर निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी मेडिकल एन्ड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन के जिला शाखा वाराणसी के द्विवार्षिक चुनाव में चुनाव अधिकारी द्वारा मतदान से पूर्व चुनाव कार्यवाही स्थगित किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर निदेशक प्रशासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, यूपी लखनऊ, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, लखनऊ व निदेशक को इस मामले में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने याची को कहा है कि वह याचिका में उठाए गए चुनाव के दौरान हुई धांधली की अपनी बात को प्रत्यावेदन के मार्फत सम्बंधित अधिकारी को दे, जो इस पर विचार कर निर्णय लेंगे व आदेश पारित करेंगे। यह आदेश जस्टिस एस के गुप्ता व जस्टिस पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ ने यूपी मेडिकल एन्ड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन वाराणसी शाखा के सदस्य गोविंद नारायण पाण्डेय की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया है। याचिका में यूपी मेडिकल एन्ड पब्लिक हेल्थ मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन वाराणसी शाखा के चुनाव को एक निर्धारित अवधि में कराने की मांग की गयी है। कहा गया है कि कुछ लोगों ने इस संघ पर कब्जा कर रखा है और किसी अन्य के चुनाव जीतने की स्थिति में या तो चुनाव टलवा देते हैं या बैक डेट से चुनाव प्रक्रिया के दौरान गलत तरीके से चुनाव लड़ रहे सदस्य को निष्कासित करा देते हैं। याचिका में प्रमुख सचिव स्वाथ्य विभाग, निदेशक प्रशासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, लखनऊ, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं व निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं लखनऊ को पक्षकार बनाया गया है। कोर्ट ने उक्त निर्देश के साथ याचिका निस्तारित कर दी है।

आयु को लेकर दस्तावेजी साक्ष्यों में विवाद पर मेडिकल साक्ष्य को वरीयता दी जाय: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि आयु निर्धारिण को लेकर विवाद की स्थिति में मेडिकल साक्ष्यों को दस्तावेजी साक्ष्य के मुकाबले वरीयता दी जाएगी। पीड़िता के आयु निर्धारण को लेकर पैदा हुए एक विवाद मामले में हाईकोर्ट ने सीजेएम गाजीपुर द्वारा मेडिकल साक्ष्य को वरीयता देने के लिए निर्णय को सही करार देते हुए निगरानी याचिका खारिज कर दी है। याचिका पर न्यायमूर्ति अरविंद कुमार मिश्र प्रथम ने सुनवाई की। पीड़िता के पिता ने निगरानी अर्जी दाखिल कर छह जनवरी 2020 के सीजेएम के आदेश को चुनौती दी थी। कहा गया था कि इस मामले में हाईकोर्ट में दाखिल एक याचिका पर हाईकोर्ट ने पीड़िता के अभिभावकों को भी सुनकर आयु निर्धारण का आदेश दिया था। मगर सीजेएम ने उनको सुने बिना ही एकतरफा आदेश दे दिया। जबकि उन्होंने पीड़िता की जन्म तिथि का प्रमाणपत्र जूनियर हाईस्कूल की मार्कशीट, जिसमें उसकी जन्म तिथि 25 जनवरी 2004 दर्ज है प्रस्तुत की थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट में आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया है। इस हिसाब से पीड़िता को नाबालिग मानना चाहिए। सरकारी वकील का कहना था कि सीजेएम के समक्ष जो जूनियर हाईस्कूल की मार्कशीट पेश की गई उसमें जन्म तिथि 24 जनवरी 2001 है। सीजेएम ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को आधार बनाया। जिसमें पीड़िता की आयु 18 से 19 वर्ष आंकी गई है। जबकि याची का कहना था कि मेडिकल रिपोर्ट छह माह पुरानी है। घटना एक जून 2019 की है। कोर्ट का कहना था कि इस मामले में दो मार्कशीट प्रस्तुत की गई है। दोनों में जन्म तिथि अलग अलग है। ऐसी स्थिति में मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट ही मान्य होगी। यदि रिपोर्ट छह माह पुरानी है तब भी रिपोर्ट में राय दी गई है कि आयु 18 से 19 वर्ष के बीच है। इस हिसाब से पीड़िता की आयु घटना के समय भी 18 वर्ष से कम नहीं है। सीजेएम ने अभिभावकों का पक्ष न सुनकर गलती की है। मगर अभिभावकों को इस अदालत ने सुनवाई का पूरा मौका दिया है।

किसान विरोधी है भाजपा सरकार : अखिलेश कटियार

लखनऊ से प्रयागराज जाने के दौरान लालगोपालगंज में फूलों की माला पहना कर किया स्वागत

लालगोपालगंज। लखनऊ से प्रयागराज भ्रमण करने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार रवाना हुए। प्रयागराज की सीमा लालगोपालगंज में घुसते ही लखनऊ राजमार्ग स्थित कठौआ पुल के एक गेस्ट हाउस के सामने सपा राष्ट्रीय सचिव का सपाइयों ने माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। स्वागत समारोह में उपस्थित समाजवादी के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। देश की अधिकांश जनता खेती किसानी पर निर्भर है। इसके बाद भी मौजूदा सरकार किसानों को सुविधा देने के बजाय उनके विरुद्ध कानून पारित कर भाजपा सरकार ने विरोधी सरकार होने का अपने चेहरे से नकाब उठा दिया है। जिसपर देश के लगभग सभी प्रांतों में किसान सड़क पर उतर आए हैं। देश का ज्यादातर किसान अनपढ़ होने के कारण सरकार की विरोधी पालिसी से अनजान है। जरूरत इस बात की है कि समाजवादी विचारधारा के लोग किसानों से मिलकर किसानों को वर्तमान स्थिति से अवगत कराएं। जिससे किसान अपने हक की लड़ाई लड़ सके। कार्यक्रम का नेतृत्व विधानसभा फाफामऊ के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष जव्वार अहमद अंसारी ने किया। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष योगेश यादव, अनिल यादव, अरुण यादव, मुनीद फारुकी, जव्वार अहमद, श्याम बाबू, दूधनाथ पटेल, जीत लाल पासी, विनोद यादव, राहुल पासी, सीपी यादव, वेद यादव, दारा यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लालगोपालगंज में सपा राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार का स्वागत करते कार्यकर्ता

मेजारोड पुलिस उपनिरीक्षक ने चलाया मास्क चेकिंग अभियान

सिरसा। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रशासन लगातार सतर्कता अपना रहा है और आम जनमानस को भी जागरूक करने पर जोर दे रहा है। अनलॉक की स्थिति के बाद भी प्रशासन चेकिंग अभियान चलाकर बगैर मॉस्क वालो पर कार्रवाई कर मॉस्क और सामाजिक दूरी का पालन करने की चेतावनी दे रहा है। क्षेत्र के मेजारोड बाजार के पटेल नगर चौराहे पर शनिवार को मेजारोड चौकी के उपनिरीक्षक नवीन कुमार सिंह पुलिस बल की मौजूदगी में मॉस्क चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें बगैर मॉस्क के बाइक सवार कार सवार तथा प्राइवेट बसो को रोक कर मास्क चेकिंग करते हुए लगभग 50 लोगों पर जुमार्ना की कार्रवाई की गई। साथ ही सख्त चेतावनी भी दिया कि दोबारा बगैर मॉस्क के पाए गए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन द्वारा प्रतिदिन की जा रही चेकिंग अभियान के तहत अब लोगो में जागरूकता दिखाई देने लगी है। घर से निकलते ही हेलमेट और मॉस्क लगाने वालो की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी लगातार जारी है हाईकोर्ट के आदेश के बाद पुलिस प्रशासन पूरे तरीके से सतर्कता बरते हुए है। चेकिंग अभियान कांस्टेबल जय सिंह,कास्टेबल सुरेश यादव,सिपाही पंकज कुमार मौजूद रहे। इस सम्बन्ध में कोतवाल सुनील कुमार बाजपेयी ने कहा कि पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के निर्देशन पर मॉस्क चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। लोगो को अभी भी कोरोना वायरस से बचाव की हिदायत दी जा रही है। आवश्यक कार्य होने पर ही घरो से निकले अन्यथा मॉस्क, सेनेटाइजर और सामाजिक दूरी का पालन करे। जिससे कोरोना वायरस से बढ़ती मरीजो की संख्या पर लगाम लगाई जा सके। यदि कानून का उल्लंघन किया गया तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

मास्क चेकिंग अभियान चलाते पुलिस उपनिरीक्षक

अधिवक्ता का परिवाद खारिज करने पर हाईकोर्ट सीजेएम से नाराज, आदेश किया रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अधिवक्ता द्वारा दाखिल परिवाद पर तलब किए दरोगा की अदालत में उपस्थिति सुनिश्चत कराने के बजाए परिवाद ही खारिज करने पर नाराजगी जताते हुए सीजेएम मुरादाबाद का 13 अगस्त 2018 का आदेश रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह आदेश बताता है कि आरोपी दरोगा परिवाद के खिलाफ निगरानी खारिज होने और गैरजमानती वारंट जारी होने के बावजूद अदालत में हाजिर होने से बच गया। यह बड़े आश्चर्य की बात है कि मजिस्ट्रेट ने उसकी कोर्ट में हाजिरी सुनिश्चत कराने के बजाए केस ही खारिज कर दिया। मुरादाबाद के वकील राजबीर सिंह की निगरानी याचिका स्वीकार करते हुए यह आदेश न्यायमूर्ति डॉ. केजे ठाकर ने दिया है। कोर्ट ने एसपी मुरादाबाद को आदेश की प्रति भेजने का निर्देश देते हुए कहा है कि एसपी इस अदालत को बताएं कि मजिस्ट्रेट द्वारा दरोगा की अदालत में उपस्थिति सुनिश्चत कराने के लिए उनको भेजे गए नोटिस पर उन्होंने क्या कार्रवाई की है। अदालत का कहना है कि एसपी ने दरोगा को संरक्षण दिया, क्योंकि उन्होने मजिस्ट्रेट के नोटिस पर कोई कार्रवाई नहीं की। वकील राजबीर सिंह ने सब इंस्पेक्टर जय भगवान के खिलाफ सीजेएम मुरादाबाद के समक्ष एक परिवाद दर्ज कराया था। जिस पर सीजेएम ने चोरी, झूठे तथ्य प्रचारित करने आदि आरोपों में परिवाद पर सुनवाई करते हुए दरोगा को समन भेजा। इस समन के खिलाफ दरोगा ने सेशन कोर्ट में निगरानी दाखिल की जो खारिज हो गई। इसके बाद भी अदालत में बयान दर्ज कराने के लिए हाजिर नहीं हुए। सीजेएम ने गैरजमानती वारंट जारी करते हुए एसपी मुरादाबाद को नोटिस भेज कर दरोगा की उपस्थिति सुनिश्चत कराने के लिए कहा। मगर इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस दौरान परिवादी वकील बीमार हो गए। मजिस्ट्रेट ने प्रोसेस फीस जमा न करने और परिवादी के हाजिर न होने के आधार पर परिवाद 13 अगस्त 2018 को खारिज कर दिया। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

निजीकरण के विरोध मे विद्युत कर्मियों ने भरी हुंकार

करछना। शनिवार को निजीकरण को लेकर विद्युत कर्मियों ने सब स्टेशन करछना में प्रदर्शन करते हुए सरकार द्वारा बिजली विभाग को निजीकरण करने के फैसले को लेकर नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया। इस मौके पर अवर अभियता बीरेन्द्र कुमार की अगुवाई में विद्युत कर्मियों ने धरना प्रदर्शन करते हुए सरकार के इस फैसले पर विरोध जताया और कहा कि सरकार धीरे-धीरे सभी फायदे मे चल रही सरकार संस्थाओं का निजीकरण कर कर्मचारियों और जनता के साथ धोखा कर रही है और पूंजीपतियों के इशारे पर कार्य कर रही है जिसका कर्मचारी पुरजोर विरोध कर सरकार के इस फैसले को बदलने के लिए विवश करेंगे चाहे इसके लिए सड़क पर उतरकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलद करनी पड़े। इस मौके पर मानवेन्द्र सिंह, इन्द्रसेन सिंह, मनीष, दिलेस सिंह, राजीव सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह समेत दर्जनों विद्युत कर्मी शामिल रहे।

थाना दिवस पर आई 6 शिकायतें निस्तारण शून्य

करछना। शनिवार को थाना दिवस के अवसर पर करछना में फरियादियों ने 6 शिकायतें दर्ज कराई जिसका मौके पर एक का भी निस्तारण नही हो सका। थाना दिवस के मौके पर क्षेत्राधिकारी करछना समेन्द्र मीना की अध्यक्षता में आयोजित किया गया लेकिन वही इस बार फरियादियों की संख्या बहुत कम दिखी। निस्तारण की प्रक्रिया में शिकायतों का निस्तारण समय पर न किए जाने से जनता का इन आयोजन पर से विश्वास उठता जा रहा है। अपनी समस्याओं से सबंधित क्षेत्र से आये हुए फरियादियो ने राजस्व व पुलिस के बीच उलझी प्रक्रिया के चलते शिकायते लबित रहती है जिससे फरियादियों की समस्याओं का निस्तारण नही हो पाता। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार वर्मा पंकज त्रिपाठी राजस्वकर्मी और फरियादी मौजूद रहे।

कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने में पुलिस की अहम भूमिका

कोविड- 19 के नियमों का सख्ती से पालन करवा रही पुलिस

फूलपुर। पुलिस का नाम जेहन में आते ही जहां ब्यक्ति को अपनी सुरक्षा की बात याद आती है वहीं दूसरी तरफ पुलिस को लेकर तमाम शिकायतें भी मन में पनपने लगती हैं। भले ही पुलिस की छवि हमेशा से जनता के बीच में अच्छी नहीं रही है कारण चाहे जो हो पर इस वैश्विक महामारी में जिस तरह से पुलिस कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए प्रयासरत हैं वह काबिले तारीफ है। उक्त बातें फूलपुर कोतवाली रोड पर शनिवार को कोविड 19 के नियमों का सख्ती से पालन करवा रहे क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार रजक व प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह को धन्यवाद देते हुए वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट देवराज उपाध्याय ने कही।

कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि गलत का विरोध करने के साथ ही सही करने वालों की तारीफ करना जायज है। इस वैश्विक महामारी में पुलिस जहां लोगों को मास्क वितरित कर रही है वहीं लापरवाही पर सख्ती भी बरत रही है। ऐसे में इन कोरोना योद्धाओं का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर अन्य कांग्रेसी नेताओं के साथ पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

कोरोना वायरस से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करती फूलपुर पुलिस

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

रोटरी इलीट ने अरुनव रे स्मृति में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद इलीट और जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को अरुनव रे स्मृति में इंटर स्कूल हिंदी भाषण प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति में हिन्दी का महत्व विषय पर विभिन्न विद्यालयों से आये हुए छात्र-छात्राओं ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। प्रत्येक प्रतियोगी को 5 मिनट का समय दिया गया। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रमुख विद्यालय जगत तारन गोल्डन जुबली, महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर, विद्या वाहिनी, जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज, सन्त अन्थोनी गर्ल्स इंटर कॉलेज एवं बीबीएस इंटर कॉलेज रहे। इस मौके पर क्लब के पूर्व मंडलाध्यक्ष अमिताव रे, असिस्टेंट गवर्नर मुनिराज पटेल व अमिताभ सोनी व रोटरी क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल स्वतंत्रता शर्मा और शशांक जैन के अनुसार विजेताओं के नाम घोषित किये गए। जिसमें प्रथम पुरस्कार जगत तारन गोल्डन जुबली की कृति पटेल, द्वितीय पुरस्कार वैष्णवी बाजपेई व अमनदीप मिश्रा विद्या वाहिनी एवं वंशिका पाठक सन्त अन्थोनी, तृतीय पुरस्कार प्रियांशी शुक्ला महर्षि पतंजलि विद्या मंदिर एवं गरिमा ठाकुर जगत तारन गोल्डेन जुबली एवं सोहानी बीबीएस इंटर व सांत्वना पुरस्कार यशस्वी यादव सन्त अन्थोनी गर्ल्स इंटर कॉलेज को मिला। सर्वश्रेष्ठ टीम जगत तारन गोल्डन जुबली व विद्या वाहिनी को घोषित किया गया। इसके पूर्व रोटरी इलीट के अध्यक्ष संजय तलवार ने मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 की पूर्व मंडलाध्यक्ष स्तुति अग्रवाल का स्वागत किया तथा डॉ.गीता जैसवाल ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन इलीट के पूर्व अध्यक्ष अभिषेक वर्मा ने किया। कार्यक्रम का निर्देशन ज्योत्स्ना सिन्हा ने एवं अध्यक्षता डॉ. रमा मिश्रा ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा पूर्व अध्यक्ष पूनम रे ने बनाई। सचिव नितिन चोपड़ा ने अगली सभा की घोषणा की और अंत में ज्योत्स्ना सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अतीक के करीबियों पर शिकंजा कसना शुरू

बेली कछार में गरजा पीडीए का बुलडोजर, मकान हुआ ध्वस्त अतीक के गुर्गों ने की थी अवैध तरीके से प्लाटिंग

प्रयागराज। प्रयागराज के बेली कछार में विकास प्राधिकरण का बुलडोजर शनिवार को बाहुबली सांसद अतीक अहमद के दो गुर्गों भुट्टो और राशिद के बेली कछार में अवैध प्लाटिंग पर जमकर गरजा, अवैध प्लाटिंग पर बने मकानों को ध्वस्त कर दिया। हालांकि विकास प्राधिकरण की टीम पुलिस फोर्स के साथ प्लाट में बने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने पहुंची तो वहां सपा नेता रिचा सिंह ने शासनादेश के जरिए विकास प्राधिकरण की टीम को शासनादेश का हवाला देती रही कि मकान न गिराया जाए यह गैरकानूनी है । इस दौरान पीडीए के अधिकारियों ने सपा नेता रिचा सिंह की बात डीएम से करवाई इसके बाद भी जब नहीं मानी तो पुलिस प्रशासन ने वहां विरोध कर रहे रिचा सिंह सहित 17 लोगों को गिरफ्तार कर लिया जिसमें पुरुष व महिलाएं शामिल रहे। इन सभी लोगों को गिरफ्तार करने के पश्चात पीडीए कार्रवाई शुरू किया और अवैध तरीके से बने मकानों को ध्वस्त कर दिया। यह अभियान तहसीलदार और पीडीए के विशेष कार्याधिकारी आलोक पांडे के नेतृत्व में चलाया गया। बेली कछार में राजकीय आस्थान की भूमि पर दो जगहों पर करीब 200 वर्ग गज और 500 वर्ग गज पर अवैध प्लाटिंग की गई थी। इन जमीनों की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। भुट्टो और राशिद अतीक के शूटर बताए जा रहे हैं। इन्होंने ही अवैध रूप से प्लाटिंग की थी। इस प्लाटिंग पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के लिए पीडीए का बुलडोजर सहित काफी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंची तो लोगों की भीड़ लग गई लोग सकते में आ गए के यहां पर क्या होने वाला है पर थोड़े ही देर बाद लोगों की जानकारी हो गई।

अवैध तरीके से अर्जित की गई अचल संपत्तियों पर प्रशासन व पुलिस का डंडा चल रहा है। अब इसके साथ ही प्रयागराज की पुलिस ने अतीक के कई और गुर्गों पर कार्रवाई भी शुरू है। अपराध के जरिए अवैध संपत्ति बनाने वालों के बारे में पुलिस ने जानकारी जुटाई है। कुछ निर्माणाधीन भवनों को चिह्नित कर लिया गया है, जिन पर जल्द ही कार्रवाई की बात कही जा रही है। अधिकारियों का दावा है कि अतीक के गैंग आइएस-227 के कई सक्रिय सदस्यों ने जमीन का अवैध कारोबार कर अकूत दौलत कमाई है। पॉश इलाके से लेकर दूसरे स्थानों की विवादित और सरकारी जमीन पर भी कब्जा कर लिया है। भूखंड को स्वरूप बदलकर उस पर व्यावसायिक व आवासीय बिल्डिंग बनाई जा रही है। अभी तक की छानबीन में पता चला है कि खुल्दाबाद के रोशनबाग में एक मल्टी कांप्लेक्स बन रहा है। करेली के गौसनगर में दो मकान और धूमनगंज के पीपलगांव, झलवा में कई गुर्गे भवन बनवा रहे हैं।

मकान ढहाता पीडीए का बुल्डोजर

मकान तोड़े जाने का विरोध करती सपा नेता रिचा सिंह

अचल और बेनामी संपत्तियों के बारे में पता लगाया जा रहा है

कहा जा रहा है कि माफिया के करीबी मकान बनवाने के बाद उसे बेच देते हैं और प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) से नक्शा नहीं पास कराते हैं। लिहाजा ऐसी अचल और बेनामी संपत्तियों के बारे पता लगाया जा रहा है। जिन्हें चिह्नित कर लिया गया है, उनका सत्यापन पीडीए, नगर निगम और राजस्व की टीम करेगी। इसके बाद ही ध्वस्तीकरण और कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने बताया कि माफिया अतीक समेत दूसरे गैंगस्टर के विरुद्ध भी कार्रवाई चल रही है। अवैध तरीके से कब्जा करने और अपराध के जरिए अर्जित की जाने वाली अचल संपत्ति के बारे में पता लगाया जा रहा है। पुलिस, प्रशासन और पीडीए की टीम अतीक के आवास, दफ्तर, कोल्ड स्टोरेज समेत कई मकानों को जमींदोज कर चुकी है। इस कार्रवाई से करोड़ों रुपये की चोट माफिया को पहुंची है। वहीं, खुल्दाबाद, धूमनगंज और सिविल लाइंस में सात अचल संपत्ति को कुर्क किया जा चुका है। तीन संपत्तियों को अभी जब्त करने की कार्रवाई बची हुई है।

अन्य प्रदेशों में भी अर्जित की गई संपत्तियों पर है सरकार की नजर

लखनऊ और दिल्ली में अतीक के फ्लैट भी पुलिस के निशाने पर हैं। अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली के ओखला और लखनऊ में सीतापुर रोड के पास जमीन व फ्लैट होने की जानकारी मिली है। अब दस्तावेज के आधार पर इन संपत्तियों की पुष्टि किया जाना बाकी है, जिसे जल्द ही पूरा कर लिया जा सकता है।

कार की टक्कर लगने से मासूम गंभीर रूप से घायल

जसरा। बारा थाना क्षेत्र के कोटवारन का पूरा गांव के सामने तेज रफ्तार कार की टक्कर से सड़क पार कर रहा तीन वर्षीय मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे को परिजन जसरा के अस्पताल ले गए। गंभीर अवस्था को देखते हुए डॉक्टर ने शहर के लिए रेफर कर दिया।

शनिवार को दोपहर बाद लगभग 3:00 बजे बसहरा गांव के निवासी राम राज केसरवानी जो अब कोटवारन का पूरा पांडर में नया घर बनवा कर रहते हैं। उनका तीन वर्षीय मासूम पुत्र अनमोल केसरवानी सड़क पार मंदिर में हो रहे कीर्तन में शामिल होने गया था। मंदिर से वापस घर आते समय वह सड़क पार कर रहा था इतने में जसरा से बारा की ओर जा रही एक तेज रफ्तार एक्सयूवी कार ने टक्कर मार दिया। जिससे मासूम सड़क पर गिर गया। इसी बीच वाहन चालक मौके से भागने के प्रयास में सड़क पर गिरे बालक को कुचल दिया। इतने में शहर की ओर जा रहे शंकरगढ़ के थानाध्यक्ष राजेश उपाध्याय मौके पर पहुंच गए। पुलिस व लोगों के सहयोग से भाग रहे वाहन को चालक सहित पकड़ लिया गया । बाद में पहुंचे बारा थाने की पुलिस ने वाहन को जेसीबी की मदद से थाने ले गए जब कि ड्राइवर को पुलिस थाने ले गई। घायल मासूम को गांव वालों की मदद से परिजन जसरा के एक निजी अस्पताल ले गए । गंभीर अवस्था को देखते हुए डॉक्टर ने शहर के एक निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। समाचार लिखे जाने तक मासूम बच्चे की स्थिति गंभीर बनी हुई थी । वहीं घर के लोगों का रो रोकर बुरा हाल हो गया।

बैंकर्स लम्बित आवेदनों को बिना किसी देरी के करें निस्तारित : मण्डलायुक्त

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर0 रमेश कुमार ने शनिवार को गांधी सभागार में मण्डलीय उद्योग बन्धु की बैठक में सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी बैंकर्स को उद्यमियों के बैंकों में लम्बित आवेदन पत्रों को समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने का निर्देश दिया।

मण्डलायुक्त ने कहा कि उद्योग धंधों को बढ़ावा देना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है। उद्यमियों की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है। कहा कि उद्योग धंधों के बढ़ने से लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने निवेश मित्र पोर्टल पर उद्यमियों की शिकायतों को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने का निर्देश सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को दिया। कहा कि बैंको में बिना किसी कारण के उद्यमियों के आवेदन पत्रों के लम्बित पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, एक जनपद एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत लम्बित आवेदन पत्रों को तत्काल निस्तारित किये जाने का निर्देश दिया है। जिससे लोगों का ऋण उपलब्ध हो सके और वे अपना स्वरोजगार स्थापित कर सके। मण्डलायुक्त ने प्रवासी श्रमिकों एवं कामगारों को विभागीय योजनाओं में समायोजित करते हुए उनको रोजगार उपलब्ध कराये जाने का निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिया। संयुक्त आयुक्त उद्योग तथा सचिव मण्डलीय उद्योग बंधु समिति सुधांशु तिवारी ने बताया कि उद्यमियों की सुविधा के लिए अब एम.एस.एम.ई एक्ट के अन्तर्गत 72 घण्टे में उद्यमियों को अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो जायेंगे। बताया है कि सभी सम्बंधित विभागों को इसके अन्तर्गत तत्काल कार्रवाई करते हुए अनापत्ति प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक केपी सिंह ने भी उद्यमियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उद्यमियों की जो भी समस्यायें पुलिस विभाग से सम्बंधित होगी उनको शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किया जायेगा। इस अवसर पर सचिव मण्डलीय उद्योग बंधु सुधांशु तिवारी द्वारा उद्यमियों से सम्बंधित प्रकरणों को विस्तार से समिति के समक्ष रखा गया। बैठक में सदस्य व्यापार कल्याण बोर्ड से मुरारी लाल अग्रवाल, उपायुक्त उद्योग अजय चैरसिया तथा मण्डल के सभी जनपदों के उपायुक्त उद्योगगण एवं उद्यमी जीएस दरबारी, विनय टण्डन, राजीव नैयर सहित अन्य उद्यमी एवं सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उद्योग बन्धु की बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते मण्डलायुक्त

मण्डलायुक्त ने बीस लाभार्थियों को 180 लाख रुपए के ऋण किया वितरित

मण्डल के नौ लोगो को टूल किट भी किये गये वितरित

प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर0 रमेश कुमार एवं आईजी केपी सिंह ने शनिवार को गांधी सभागार में आयोजित मण्डलीय उद्योग बंधु की बैठक में विभिन्न योजनाओं के कुल बीस लाभार्थियों को स्वीकृत 180 लाख रुपए ऋण के चेक तथा नौ लोगों को टूल किट वितरित किया।

इसके अन्तर्गत जनपद प्रयागराज में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार के अन्तर्गत इंटरलाकिंग ब्रिक्स के लिए बृजेश पटेल को 25 लाख, कूलर एसेम्बलिंग के लिए वेदांश खन्ना को 10 लाख रुपए, प्यूरीफाइंग आफ बेस्ट पेपर के लिए कमलेश कुमार वंशकार को 10 लाख रुपए, फर्नीचर उद्योग के लिए मो. उस्मान को 10 लाख रुपए का चेक, ओडीओपी मार्जिन मनी योजना के अन्तर्गत मल्टीफूड आइटम पैकिंग के लिए प्रदीप कुमार गुप्ता को 10 लाख रुपए, दुग्ध उत्पादन के लिए सुदीप कुमार को ढाई लाख रुपए, कार्नफ्लोर निर्माण के लिए राज कुमार केशरवानी को 25 लाख रुपए, दलिया मिल के लिए अमित कुमार शर्मा को 7 लाख रुपए, नमकीन निर्माण हेतु अनिमेष भारद्वाज को 10 लाख रुपए का चेक, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अन्तर्गत रेस्टोरेंट के लिए इरहान सिद्दीकी को 10 लाख रुपए, पेपर कप प्लेट निर्माण के लिए मंगला कनौजिया को 5 लाख रुपए के ऋण चेक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त इन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत जनपद कौशाम्बी एवं प्रतापगढ़ के भी कुल 5 लाभार्थियों को भी ऋण प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मण्डलायुक्त एवं आईजी ने विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत मण्डल के कुल नौ लाभार्थियों को विभिन्न टेज्डों के टूल किट भी वितरित किये। जिसमें प्रयागराज के वैभव प्रकाश विश्वकर्मा को बढ़ई, जीत नारायण को बढ़ई, प्रीती श्रीवास्तव को टोकरी बुनकर, सरोज कुमार को हलवाई एवं सुभाष राम को मोची टेज्ड में टूल किट प्रदान किये गये। इसके अतिरिक्त जनपद कौशाम्बी के बढ़ई टेज्ड में दो एवं जनपद प्रतापगढ़ के सोनार टेज्ड में दो लोगो को विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अन्तर्गत टूल किट का वितरण किया गया।

टूल वितरित करते मण्डलायुक्त

इण्टर परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों को मिलेगी छात्रवृत्ति, आवेदन 31 अक्टूबर तक

प्रयागराज। शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा माध्यमिक शिक्षा परिषद् की इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण वर्ष 2020 में विज्ञान वर्ग में 334/500 अंक, वाणिज्य वर्ग में 313/500 तथा मानविकी में 304/500 अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने की घोषणा की गई है। उक्त जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक आर.एन विश्वकर्मा ने देते हुए बताया है कि शिक्षा मंत्रालय के निदेर्शानुसार यूपी बोर्ड के 11460 छात्र-छात्राओं को 3:2:1 के अनुपात से छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। इसमें ऐसे ही छात्र आवेदन कर सकते हैं, जिनकी पारिवारिक आय आठ लाख से अधिक न हो। उन्होंने बताया है कि शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइट स्कालरशिप्स. जीओवी.इन पर उपलब्ध है। श्री विश्वकर्मा ने बताया है कि 16 अगस्त से आनलाइन आवेदन प्रारम्भ है, जिसकी अंतिम तिथि 31 अक्टूबर है। पूर्व वर्ष 2016, 2017, 2018, 2019 में छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं अपनी छात्रवृत्ति नवीनीकरण हेतु उक्त वेबसाइट पर आवेदन भर सकते हैं।

सपा के राष्ट्रीय सचिव ने बैठकें कर कृषि विधेयक की जानकारी दी

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते सपा के राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार

प्रयागराज। देश में लागू होने वाले नये कृषि विधेयक के विरोध में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार ने शनिवार को जनपद के फाफामऊ, सोरांव, फूलपुर विधान सभाओं में किसानों, नौजवानों, की बैठकें कर विधेयक से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह किसानों के हितों पर कुठाराघात करने वाला काला कानून है। जिसे भाजपा की केंद्र एवं प्रदेश सरकार संवेदनहीनता की हद तक देश के किसानों पर जबरन थोपना चाहती है। इस कानून के लागू होने के बाद देश का किसान पूंजीपतियों का गुलाम बनकर रह जाएगा। उन्होंने कहा कि आज भी पूरी तरह से एमएसपी लागू न होने से किसानों को अपनी उपज को औने पौने दाम में बेचना पड़ता है। नए कानून से तो मंडी खत्म हो जाएगी। किसानों को दोगुनी कीमत तो दूर उनकी लागत नहीं मिल पाएगी। श्री कटियार ने कहा कि सपा के संस्थापक मामुलायम सिंह यादव ने किसानों की समस्याओं को लेकर सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष का जो रास्ता दिखाया है, उसको आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बेहद संवेदनशील हैं।

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि बढ़ी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 2020-21 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 3 अक्टूबर कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों को लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से सम्बद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 3 अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न होगी।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

रेल भर्ती बोर्ड का परिणाम घोषित

प्रयागराज। रेल भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा सांस्कृतिक कोटा के अंतर्गत प्रायोगिक प्रदर्शन एवं दस्तावेज सत्यापन के उपरांत अंतिम रूप से सफल पाए गए अभ्यर्थियों का परिणाम शनिवार को घोषित कर दिया गया, जो वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने देते हुए बताया कि वर्ष 2019-20 में सांस्कृतिक कोटा के अंतर्गत लेवल-2 के पद पर भर्ती हेतु रेल भर्ती प्रकोष्ठ, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा 01 मार्च 2020 को प्रयागराज में लिखित परीक्षा आयोजित की गयी थी।

अरैल में सुलग रही शराब की भट्ठियों पर चला पुलिस का डंडा

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के अरैल गांव में शनिवार को आला अफसरों के निर्देश पर अवैध शराब के अड्डों पर पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में लहन को बरामद करते हुए नष्ट कर दिए और पांच सौ लीटर कच्ची शराब को बरामद किया। घंटों चले कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा रहा।

जानकारी के मुताबिक डीआईजी के निर्देश पर एसपी क्राइम आशुतोष मिश्रा ने शनिवार को करछना सर्किल के सीओ सोमेंद्र मीणा व बारा सर्किल के सीओ नवीन नायक, गंगापार और यमुनापार एसओजी टीम, आबकारी विभाग टीम, नैनी कोतवाली समेत कई थानों की पुलिस फोर्स को साथ लेकर शनिवार शाम को वह नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित अरैल गांव में पहुंचे। भारी पुलिस फोर्स को देख कर अवैध कारोबारियों में हड़कंप और फरार हो गए। गठित टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए दर्जनों सुलग रही शराब की भट्ठियों को लाठी के वार से तोड़ डाला गया। इतना ही नहीं लगभग पांच दर्जन घरों में छापेमारी की कार्रवाई की गई। वही मौके से लगभग 15 कुंतल लहन बरामद होने पर पुलिस टीम ने नष्ट कर दिए। साथ ही पांच सौ लीटर महुए से निर्मित अवैध शराब सहित उपकरण को बरामद करते हुए कब्जे में ले लिए। जबकि गठित पुलिस टीम के हाथ कोई भी अवैध कारोबारी नहीं लगा। लगभग ढाई घंटे चले कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में भारी हड़कंप मचा रहा।

अवैध शराब के अड्डों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस

आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई : एसपी क्राइम

नैनी। अवैध शराब के खिलाफ आगे भी कार्रवाई ताबड़तोड़ जारी रहेगी। अरैल क्षेत्र के अलावा यमुनापार क्षेत्र में जिन-जिन स्थानों पर अवैध शराब निर्माण किया जा रहा है। संबंधित थानों के इंचार्ज व सर्किल के सीओ को निर्देश दिए गए हैं कि वह अवैध शराब के अड्डों पर कार्रवाई करें।

-आशुतोष मिश्रा

एसपी क्राइम

अखण्ड भारत सन्देश

प्रयागराज रविवार, 27 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

मानव का आहार

वनस्पतियों से प्राप्त पूर्ण परिपक्व अनाज फल, सब्जियाँ तथा बीज

बाइबिल में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मानव का आहार वनस्पतियों से प्राप्त पूर्ण परिपक्व फल, अनाज तथा बीज है। हरा फल, हरी सब्जियाँ तथा वे अनाज जो पूरी तरह पककर पूर्ण स्वरूप में नहीं आये हैं, हमारा उपयुक्त आहार नहीं है। उनको खाने पर हम उन वनस्पतियों, फलों, अनाज आदि को पूर्ण विकसित होने से रोककर हिंसा करते हैं। इसलिए प्राचीन भारत देश में हरे फल को तोड़ना या हरी फसल को काटना मना था। पके हुए पूर्ण फल, सब्जियाँ, अनाज जिनको बोने पर दुबारा उससे अनाज, फल, सब्जियों को उगाया जा सके, पूर्ण आहार है जिसको ग्रहण करने पर पोषक तत्वों की कमी नहीं होती है। ''प्रभु ने कहा, 'मैंने पेड़-पौधों के फल तथा बीज को मानव के लिए बनाया तथा अन्य भाग को अन्य सभी के लिए। जब फसल पूरी तरह पक जाय तब उसकी कटाई व मड़ाई हो और उसके बीज का उपयोग बीज बोने के लिए हो तथा अन्य बीज को खाने मनुष्य प्रयोग करें। जब फल पेड़ों में पक जाय तब उस फल का प्रयोग भी मनु-जेनेसिस १:२९-३० (बाइबिल) सत्य व अहिंसा पर आधारित आहार सर्वोत्तम है जिससे मनुष्य अपने शक्तिमय, ज्ञानमय और पूर्ण स्वरूप की अनुभूति करता है। अहिंसात्मक विधि से आहार लेने पर मनुष्य अनेक प्रकार की शारीरिक व मानसिक बीमारियों से मुक्त रहता है तथा उसके अंदर आवश्यक पोषक तत्वों का अभाव नहीं होता है।

अहिंसा का अभिप्राय जीवन और अमरता से है तथा हिंसा का अभिप्राय मृत्यु से है। जिस प्रकार किसी नवजात शिशु, बालक अथवा किसी भी व्यक्ति या किसी भी जीव को उसकी स्वाभाविक मृत्यु आने के पहले मारना हिंसा है, उसी प्रकार मनुष्य के द्वारा जाने-अनजाने में पेड़-पौधों, फल-फूल, सब्जी आदि के रूप में विद्यमान जीवों को आहार के लिए उनके पूर्ण रूप में आने के पहले ही तोड़कर अथवा काटकर उपयोग करना भी हिंसा है। अपरिपक्व सब्जी, फल व बीज (अनाज) आदि ठीक उसी प्रकार हैं जैसे नवजात शिशु, बालक तथा युवा अवस्था। सब्जी, फल आदि का पूर्ण विकास हुए बिना उनको खाना हिंसा करना है।

अहिंसात्मक विधि से आहार लेने का अभिप्राय है किसी भी फल, सब्जी, अनाज आदि का प्रयोग आहार के रूप में तभी किया जाय जब वह अपनी परिपक्व अवस्था (पूर्ण अवस्था) में आ जाय। अनाज, सब्जी, फल आदि की परिपक्व अवस्था का अभिप्राय है इनका स्वरूप अपने पूर्णता में रूपान्तरित हो गया हो और उसके किसी न किसी भाग या अंश से दुबारा अनाज, सब्जी, फल आदि को उगाया जा सके।

उदाहरण के लिए- हरी मटर, मटर की अपूर्ण (अपरिपक्व) अवस्था है। हरी मटर से मटर नहीं उगाई जा सकती है। हरी मटर अपनी परिपक्व अवस्था में आ जाने के बाद पीली मटर (पकी मटर) में रूपान्तरित हो जाती है। पकी मटर से हम दुबारा मटर को उगा सकते हैं। अतः हरी मटर के स्थान पर पकी मटर का उपयोग पूर्ण आहार को ग्रहण करना है। इसी प्रकार हरे कद्दू के स्थान पर पका कद्दू उसकी परिपक्व अवस्था है।

Vegetarian Diet

The Natural Diet For Humans

The Scriptures show the correct pattern of lifestyle for humans, which includes the correct diet for humans. If not subjected to wrong interpretation, one will find important verses in the scriptures that highlight the right natural diet that is prescribed for humans.

In the Bible, we see the following verse:

And God said, Behold, I have given you every herb bearing seed, which is upon the face of all the earth, and every tree, in the which is the fruit of a tree yielding seed; to you it shall be for meat. And to every beast of the earth, and to every fowl of the air, and to every thing that creepeth upon the earth, wherein there is life, I have given every green herb for meat: and it was so. (Genesis 1:29-30)

The above verses clearly identify that the diet for humans are tree-yielding seeds. Such seeds are known as matured seeds, which can be re-planted to produce trees to replenish the population of seeds being consumed. Therefore, our natural diet should be that of matured seeds and matured vegetables, which have become fully grown and are ready to be reproduced. When we consume immature seeds and vegetables, it is similar to "killing of young ones". When we consume immature seeds and vegetables, it is similar to "killing of young ones". Therefore, instead of consuming unripe green mangoes, we should only take naturally ripened mangoes. And instead of green peas, our diet should be that of matured yellow peas.

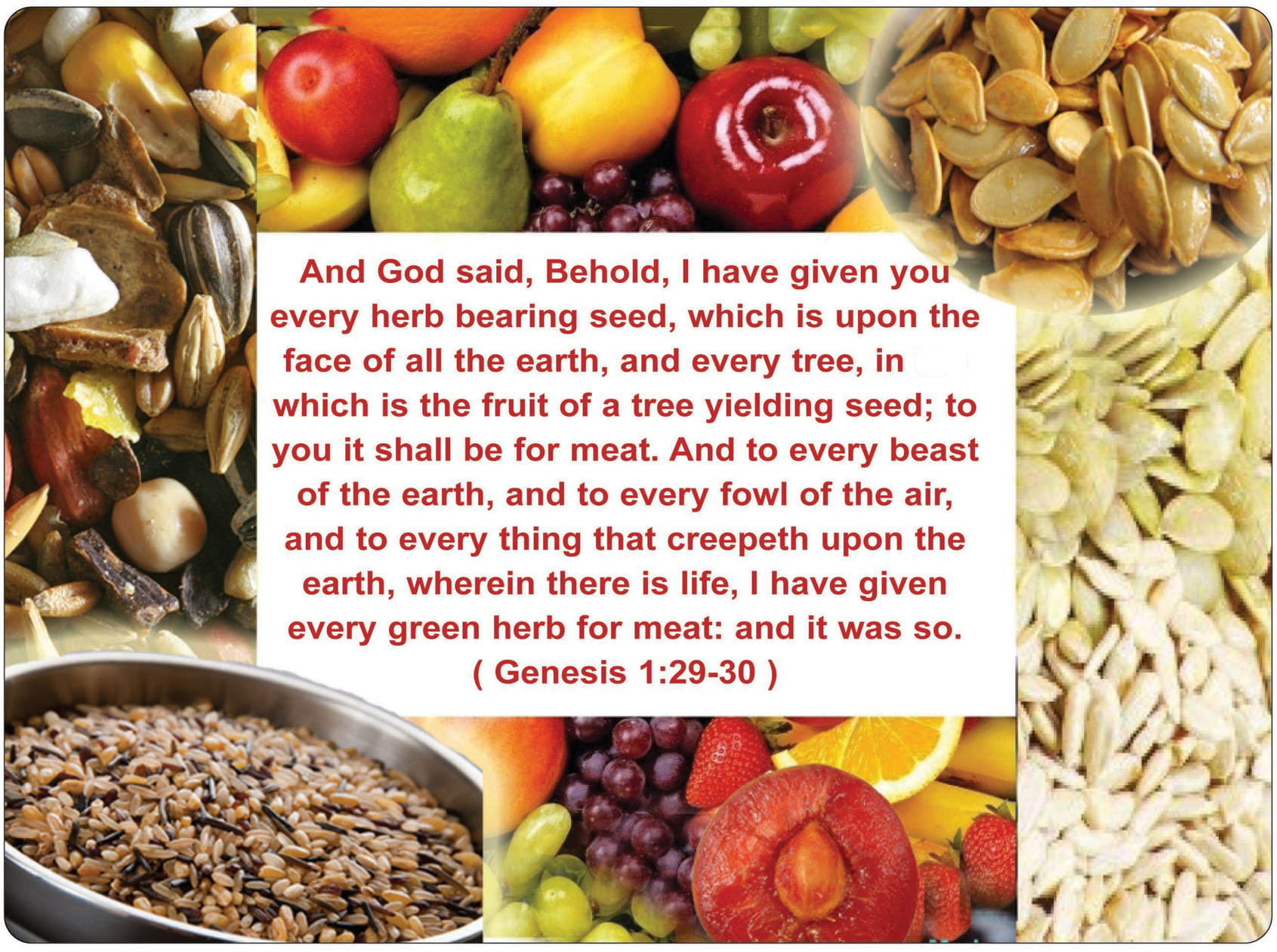

It is also important to note that our natural diet does not consist of cauliflower, lettuce, carrots, and other such vegetables that we consume today. These vegetables should be left in the fields to mature. When they mature and their leaves fall off, revealing their seeds, we can then consume some of the seeds and re-plant some of them for reproduction of more seeds…